

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/85-86/41299.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० दी० 21/4 फरीदाबाद, के श्रमिक श्री बाबूलाल सिंह पुत्र श्री काशी भगत मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन 2/7 गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या विवादग्रस्त मामला/मामलें हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं ।

क्या श्री बाबूलाल सिंह, की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 5 नवम्बर, 1986

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/105-86/41432.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण सैक्टर 16 फरीदाबाद, (2) कार्यकारी अभियन्ता डिविजन नं० 2, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण फरीदाबाद, के श्रमिक श्री टेक चन्द पुत्र श्री लखी राम मार्फत श्री एम० के० भन्डारी, मकान 360, सैक्टर 19, फरीदाबाद, तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामलें हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं ।

क्या श्री टेक चन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ;

आर० एस० अग्रवाल,

उप सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम विभाग ।